

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	अग्रहायण 08, शुक्रवार, शाके 1946- नवम्बर 29, 2024 Agrahayana 08, Friday, Saka 1946- November 29, 2024	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग

विज्ञप्ति

जयपुर, अक्टूबर 18, 2024

संख्या प. 2(56) वन/2024 :-चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व हैं अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा उसके किसी अंश की स्वत्वधारी (Entitled) हैं।

और चूंकि सरकार उपर्युक्त वन भूमि तथा बंजर भूमि को राजस्थान वन अधिनियम, 1953 की धारा 29, उप धारा (1) के अन्तर्गत रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करने का विचार रखती हैं ;

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्व नहीं किये गये हैं;

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती हैं कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उन पर सरकार या वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के संबंध में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबद्व किया जाना आवश्यक हैं; परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचाने की आशंका हैं;

इसलिये अब राजस्थान वन अधिनियम, 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उप धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, सरकार इसके द्वारा वन बन्दोबस्त अधिकारी, असिस्टेंट वन बन्दोबस्त अधिकारी को पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकारी तथा वैयक्तिक अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्व करने हेतु नियुक्त करती है तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साध्य उसी प्रणाली में किया जायेगा जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 10, 11(1), 12, 13, 14, 17, 18 तथा 19 में प्रावहित है;

और उक्त एक्ट की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेसर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखन सम्पादित होने तक उक्त वन भूमि और बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है, परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी प्रकार की कमी नहीं आयेगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा;

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वे वृक्ष जो इसके साथ संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं, राज-पत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख से आरक्षित (Reserved) हैं और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों का हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संगृहीत किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन बनाया जाना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि का कृषि अथवा भवन निर्माण अथवा पशु-पालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खंडित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती हैं।

प्रथम अनुसूची (वन भूमि और बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वन)

राज्यपाल की आज्ञा से,
बीजो जाँय,
विशिष्ट शासन सचिव (वन)।

प्रथम अनुसूची

क्र. सं.	नाम ब्लाक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	विवरण
1	2	3	4	5	6
1	खोरा बिसल बैनाड़ "मैन"	रामपुरा डाबड़ी	जयपुर ग्रामीण	उत्तर- ग्राम बैनाड़ मय दौलतपुरा के खसरा नं. 546/817, 547/806	ग्राम बैनाड़ मय दौलतपुरा
					ख.नं. क्षेत्र (है०)
					570 16.48
				पूर्व- ग्राम बैनाड़ मय दौलतपुरा के खसरा नं. 548/825, 566, 569, 572, 572/796	571 12.86
					572/795 0.10
					614/829 0.07
					618/830 0.17
					ग्राम का योग 29.68
				दक्षिण- ग्राम बैनाड़ मय दौलतपुरा के खसरा नं. 612/920, 612, 613, 614, 618, 619, 571/831 एवं सीमा ग्राम सरना डूंगर तहसील कालवाड़	ग्राम खोरा बिसल
					ख. नं. क्षेत्र (है०)
					683 4.2
					684/998 0.05
					685/999 0.02
					686/1000 0.05
					687 20.80
					ग्राम का योग 25.12
				पश्चिम- ग्राम बैनाड़ मय दौलतपुरा के खसरा नं. 546, 546/818, 546/819, 546/820 एवं ग्राम खोरा बिसल के खसरा नं. 290, 687/746, 686, 685, 684, 682, 674	वन खण्ड का कुल योग
					54.80

अजीत कुमार मीना,
क्षेत्रीय वन अधिकारी,
आमेर।

वी. केतन कुमार,
उप वन संरक्षक,
जयपुर।

द्वितीय अनुसूची

क्र.सं	बोटैनिकल नाम	हिन्दी नाम
1	Ficus religiosa	पीपल
2	Ficus glomerata	गूलर
3	Prsopis spicigera	खेजडी
4	Hoioptella integrifoolla, planch	चुरैल, कन्जू काज
5	Ailanthus excesa	अरडू
6	Acacia nalotca	बबूल
7	Azdiracta indica	नीम
8	Albizza lebbek	सिरस
9	Dalbergia syssoo, Roxb.	शीशम
10	Morus alba	शहतुत

अजीत कुमार मीना,
क्षेत्रीय वन अधिकारी,
आमेर।

वी. केतन कुमार,
उप वन संरक्षक,
जयपुर।

प्रारंभिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षक द्वारा प्रमाण पत्र
(जो लागू नहीं होगा है उसे काट दे)

वन खण्ड - खोरा बिसल बैनाड़ “मैन”

नाम रेंज - आमेर

वन मण्डल - जयपुर

- 1- संलग्न प्रारूप में दर्शाई गई भूमि का वर्गीकरण क्रमश- गैर मुमकिन पहाड़ /गैर मुमकिन भाखर / मगरा /गैर कृषि पायती /चारागाह है। वन भूमि जिसे विज्ञप्ति के कालम 6 में विस्तृत रूप से खसरा नम्बरों का विवरण दर्शाया गया है।
- 2- वर्तमान में कुछ क्षेत्रों में क्रमश प्लांटेशन एवं अन्य विकास कार्य में चारदीवारी बनाई गई है। इनमें कोई खनन कार्य नहीं हुए हैं। भविष्य में अन्य क्षेत्रों में भी विकास कार्य कराये जाने की संभावना है।
- 3- भूमि पर वृक्षों का घनत्व कुछ क्षेत्रों में है तथा कुछ क्षेत्रों में नगण्य है। इस वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियों में रौंझ , देशी बबूल , खेजड़ी , शहतूत , नीम , आदि वृक्ष हैं ।
- 4- समीपवर्ती स्थित क्षेत्र बंजर/राजस्व भूमि (राजस्व बंजर /चरागाह /खातेदारी /वन खातेदारी, भूमि है तथा चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कालम संख्या 5 में कर दिया गया है।
- 5- वनखण्डों के वाछित मानचित्र (नक्शे, संलग्न है एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं, सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप है। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शों में लाल स्याही इंगित किया गया है।
- 6- प्रस्तावित क्षेत्रों की विज्ञप्ति के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं। किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है, जिससे कि इन भूमियों पर वन विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सके।
- 7- उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

अजीत कुमार मीना,
क्षेत्रीय वन अधिकारी,
आमेर।

वी. केतन कुमार,
उप वन संरक्षक,
जयपुर।

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।